इफिसियों की पुस्तक की एक रूपरेखा

परिचय (1:1, 2)

I. परमेश्वर की नई मनुष्यता की महिमा (1:3-3:21)

क. यीशु के द्वारा छुटकारे की परमेश्वर की योजना (1:3-14)

1. पिता (1:3-6)
2. पुत्र (1:7-12)
3. पवित्र आत्मा (1:13, 14)

ख. छुड़ाए हुओं के लिए धन्यवाद तथा मध्यस्थता के लिए प्रार्थना (1:15-23)

1. विश्वास तथा प्रेम के लिए धन्यवाद (1:15, 16क)
2. निवेदन (1:16ख-23)

ग. जिन्हें छुड़ाया गया है (2:1-22)

1. पापी लोग जीवन के लिए जी उठे (2:1-10)
2. यहूदियों और अन्यजातियों को एक नये मनुष्य के रूप में मिलाया गया (2:11-22)

घ. छुड़ाई गई मनुष्यता के लिए परमेश्वर की सनातन मंशा (3:1-22)

ङ. छुड़ाए हुओं की शक्ति के लिए प्रार्थना (3:13-21)

II. परमेश्वर की नई मनुष्यता का जीवन (4:1-6:20)

क. एकता में (4:1-6)

ख. दान पाए हुए होना (4:7-16)

ग. पवित्रता में (4:17-5:17)

घ. आत्मा में (5:18-21)

ङ. पारिवारिक सम्बन्धों में (5:22-6:9)

1. पत्नियां (5:22-24)
2. पति (5:25-33)
3. बच्चे (6:1-3)
4. माता-पिता (6:4)
5. सेवक (6:5-8)
6. स्वामी (6:9)

च. दुष्ट से युद्ध में (6:10-20)

1. परमेश्वर की शक्ति तथा हथियार की आवश्यकता (6:10-13)
2. परमेश्वर के हथियार क्या हैं (6:14-17)
3. प्रार्थना की आवश्यकता (6:18-20)।

सारांश (6:21-24)